

करने का जिम्मा, ठीका 2. पट्टा जैसे- ठेका पट्टा, ठेका भेंट।

ठेकाई स्त्री. (देश.) किनारे की छपाई।

ठेकेदार पुं. (देश.) दे. ठीकेदार।

ठेगना स.क्रि. (देश.) 1. टेकना, सहारा लेना 2. रोकना, मना करना।

ठेगनी स्त्री. (देश.) टेकने की लकड़ी, सहारा।

ठेठ वि. (देश.) निपट, निरा, बिल्कुल जैसे- (ठेठ बृद्ध)।

ठेपी स्त्री. (देश.) 1. डाट, काग 2. छोटा ढक्कन।

ठेलना स.क्रि. (देश.) 1. ढकेलना, रेलना, धक्का देकर आगे बढ़ाना प्रयो. ढेलठाल/ढेलमठेल/ठेलाठेली 2. धक्कम धक्का 3. जबरदस्ती करना।

ठेलमठेल स्त्री. (देश.) धक्कम धक्का।

ठेस स्त्री. (देश.) 1. धक्का, चोट, ठोकर 2. सहारा, टेक।

ठेसमठेस क्रि.वि. (देश.) कसमकस के साथ धक्कम धक्का।

ठेहरी स्त्री. (देश.) किवाड़ की चूल के नीचे की लकड़ी।

ठेहुका पुं. (देश.) वह जानवर जिसके पिछले घुटने चलते हुए रगड़ खाते हों।

ठेहुना पुं. (देश.) दे. घुटना।

ठेहुनी स्त्री. (देश.) 1. घुटना 2. हाथ की कोहनी।

ठैल पैल स्त्री. (देश.) ठेलपेल।

ठोंक स्त्री. (देश.) ठोंकने की क्रिया या भाव।

ठोंकना स.क्रि. (देश.) 1. मारना, पीटना 2. चोट लगाकर धँसाना (जैसे- कील ठोंकना) 3. (मुकदमा) दायर करना (जैसे-मुकदमा ठोंकना) 4. जड़ना, अधिकारपूर्वक लगाना (जैसे- जुर्माना ठोंकना) मुहा. ठोंक ठोंककर लड़ना- डटकर लड़ना; ठोंकना बजाना- अच्छी तरह जाँचकर, परखकर; पीठ ठोंकना- शाबाशी देना, प्रोत्साहित करना 5. हाथ से मारकर बजाना (जैसे तबला, ठोंकना) लगाना, जड़ना (जैसे- ताला, ठोंकना)।

ठोंग स्त्री. (देश.) 1. चोंच 2. उंगली की ठोकर।

ठोंगना स.क्रि. (देश.) चोंच मारना, उंगली मोड़कर ठोकर मारना।

ठोंगा पुं. (देश.) कागज की थैली, जिसमें दुकानदार सौदा देता है।

ठोकना स.क्रि. (देश.) दे. ठोंकना।

ठोकर स्त्री. (देश.) 1. वह चोट जो किसी पत्थर या कड़ी वस्तु से टकराने से लगे 2. ठेस मुहा. ठोकर उठाना- दुख सहना, हानि उठाना; ठोकर खाना- क्षति सहना, मारा-मारा फिरना; ठोकर देना- ठोकर लगाना, ठोकर मारना; ठोंकरो पैर पड़ा रहना- किसी की सेवा कर के तथा मार-गाली खाकर गुजारा करना, अपमानित होकर रहना 3. आघात 4. जूते का अगला भाग।

ठोठ वि. (देश.) 1. सारहीन, तत्वहीन 2. जड़, मूर्ख 3. निराला।

ठोठरा वि. (देश.) पोपला, खाली।

ठोड़ी स्त्री. (देश.) ठुड़ी, चिबुक, दाढ़ी मुहा. ठोड़ी पर हाथ धरकर बैठना- चिंतामग्न होना; ठोड़ी पकड़ना- प्यार करना, किसी को मनाना।

ठोढ़ी स्त्री. (देश.) दे. ठोड़ी।

ठोप वि. (देश.) बूँद, टप-टप।

ठोर वि. (देश.) 1. पूरी जैसा चीनी में सना हुआ एक प्रकार का पकवान, वल्लभ संप्रदाय के मंदिरों में इसका भोग लगाया जाता है 2. चोंच 3. होंठ।

ठोस वि. (देश.) जो भीतर से खाली हो, ठस पुं. कुढ़न, ईर्ष्या, डाह।

ठोसा वि. (देश.) अँगूठा, ठेंगा मुहा. ठोसा दिखाना- अँगूठा दिखाना, इनकार करना।

ठौका पुं. (देश.) वह गड़ढा, जिसमें सिंचाई के लिए दौरी आदि से पानी गिराते हैं।

ठौर पुं. (देश.) 1. स्थान, जगह 2. ठिकाना जैसे- ठौर ठिकाना- रहने की जगह मुहा. ठौर-कुठौर- अच्छी जगह, बुरी जगह, अनुपयुक्त स्थान पर, बेमौका, अवसर के बिना; ठौर न आना- समीप न आना; ठौर न रहना- जगह न रहना, निराश्रित होना; ठौर रखना- मार डालना।